तकनीकी विवि का टनकपुर कैम्पस भी बना इसरो का नोडल सेन्टर

- अप्रैल व मई में आयोजित होंगे इसरो के लाइव स्टार्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम
- शिक्षा और अनुसंधान में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को मिलेगा बढ़ावा

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने उत्तराखण्ड राज्य में वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के एक और कैम्पस डा.एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान, टनकपुर को अपने स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए दूसरा नोडल सेन्टर बनाया है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कैम्पस महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने राज्य में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अपना पहला नोडल सेन्टर बनाया। दोनों नोडल केन्द्रों पर अप्रैल व मई में होंगे लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम।

कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने राज्य में तकनीकी विश्वविद्यालय के दो कैम्पस संस्थानों को स्टार्ट-2024 प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु प्रदेश के गढ़वाल तथा कुमांऊ में एक-एक नोडल सेन्टर बनाये जाने पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिये जाने में विश्वविद्यालय के योगदान को इसरो द्वारा मान्यता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि दोनों केन्द्रों के लिए नामित नोडल समन्वयकों को जिम्मेदारियां दी गयी हैं कि वह छात्र-छात्राओं को कोर्डिनेट कर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रेरित करेंगे। और इसरो के विभिन्न मंचों पर दोनों केन्द्रों के नोडल समन्वयकों को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिये के प्रयासों हेतु प्रतिभाग करेंगे।

निदेशक कैम्पस कालेज महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून प्रो.मनोज कुमार पाण्डा एवं निदेशक कैम्पस कॉलेज डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर प्रो.हरद्वारी लालमंडोरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों को इसरो द्वारा अपने स्टार्ट-2024 के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु नोडल सेन्टर बनाये जाने के प्रयास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओंकार सिंह द्वारा दिये गये निर्देशन व मार्गदर्शन का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि ई-क्लास कोर्डिनेटर मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से नोडल कोर्डिनेटर्स की जिम्मेदारियां इसरो द्वारा निर्धारित की गई है, जिनके द्वारा अपने-अपने संस्थान में कार्यक्रम कोर्डिनेट कर छात्र-छात्राओं को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने को आमंत्रित कर प्रेरित करने का कार्य भी करेंगे। रेगुलर आधार पर आयोजित होने वाले इस लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स फीडबैक भी नोडल कोर्डिनटर द्वारा इसरो को प्रेषित किये जायेंगे। इसरो द्वारा दैनिक आधार पर ई-कक्षाएं संचालित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जायेंगे।

कोर्डिनेटर्स की जिम्मेदारियां इसरो द्वारा निर्धारित की गई है और जिनके द्वारा अपने-अपने संस्थान में कार्यक्रम कोर्डिनेट कर छात्र-छात्राओं को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने को आमंत्रित कर प्रेरित करने का कार्य भी करेंगे। रेगुलर आधार पर आयोजित होने वाले इस लाइव प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स फीडबैक भी नोडल कोर्डिनटर द्वारा इसरो को प्रेषित किये जायेंगे। इसरो द्वारा दैनिक आधार पर ई-कक्षाएं संचालित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जायेंगे।

इसरो द्वारा कैम्पस डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी संस्थान टनकपुर में सहायक प्राध्यापक डा.देव प्रकाश सत्संगी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग तथा महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून में डा.आशीष बगवाड़ी, सहायक प्राध्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग को नोडल समन्वयक के रूप में नामित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जानकारी प्रदान करना है। इसरो के प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों के छात्र प्रशिक्षण के पात्र होंगे जो कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और अन्य संबंधित विषयों में स्नातक और इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र लाभान्वित होंगे। प्रशिक्षण माड्यूल में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेषज्ञ भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यों और अनुसंधान अवसरों पर लाइव व्याख्यान दिए जाएंगे।

छात्रों को समझाई वस्त्र रंगने की तकनीकी

उत्तरकाशी। रामचन्द्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी के गृह विज्ञान और चित्रकला विभाग में गुरुवार को एक दिवसीय टाई एंड डाई तथा प्रिंटिंग तकनीकी पर कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें दोनों विभाग के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्रों को कार्यशाला में वस्त्रों को रंगने की विभिन्न तकनीकों जैसे बांधनी, बाटिक व स्क्रीन प्रिंटिंग आदि के विषय में बताया गया। प्रिंटिंग से छात्रों ने खूबसूरत परिधान तैयार किए।